



Shubham Dhawan



Saloni Kapoor

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121664101

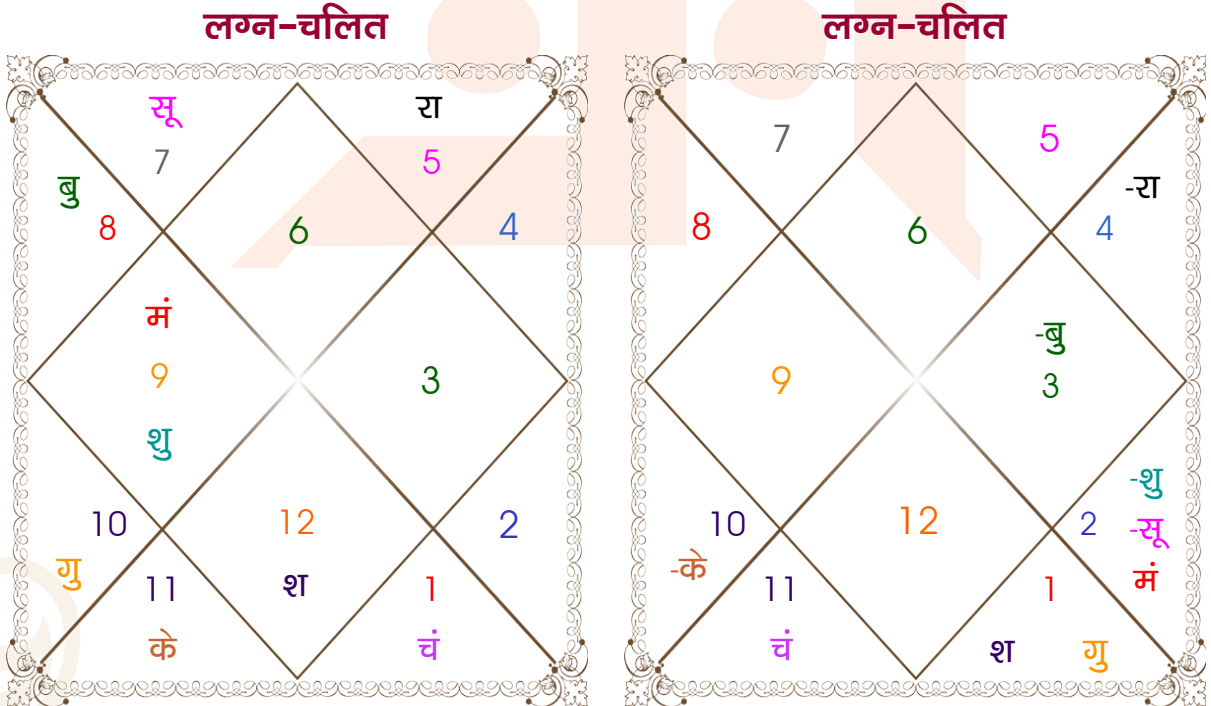
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
13-14/11/1997 :	जन्म तिथि	: 27/05/2000
गुरु-शुक्रवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 04:18:00 :	जन्म समय	: 16:00:00 घंटे
घटी 53:23:39 :	जन्म समय(घटी)	: 26:13:53 घटी
India :	देश	: India
Firozpur :	स्थान	: Firozpur
30:55:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:55:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व :	रेखांश	: 74:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28 :	स्थानिक संस्कार	: -00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:56:32 :	सूर्योदय	: 05:30:26
17:34:18 :	सूर्यास्त	: 19:27:08
23:49:32 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:29
कन्या :	लग्न	: कन्या
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
मेष :	राशि	: कुम्भ
मंगल :	राशि-स्वामी	: शनि
भरणी :	नक्षत्र	: पू०भाद्रपद
शुक्र :	नक्षत्र स्वामी	: गुरु
2 :	चरण	: 2
वरियान :	योग	: विष्कुम्भ
विष्टि :	करण	: तैतिल
लू-लूनेश :	जन्म नामाक्षर	: सो-सौम्या
वृश्चिक :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मिथुन
क्षत्रिय :	वर्ण	: शूद्र
चतुष्पाद :	वश्य	: मानव
गज :	योनि	: सिंह
मनुष्य :	गण	: मनुष्य
मध्य :	नाड़ी	: आद्य
मृग :	वर्ग	: मेष

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 11वर्ष 4मा 26दि मंगल	23:11:50	कन्या	लग्न	कन्या	29:46:09	गुरु 11वर्ष 10मा 8दि शनि
11/04/2025	27:46:19	तुला	सूर्य	वृष	12:34:27	05/04/2012
10/04/2032	19:03:46	मेष	चंद्र	कुंभ	23:27:07	06/04/2031
मंगल 07/09/2025	09:43:54	धनु	मंगल	वृष	22:31:34	शनि 09/04/2015
राहु 25/09/2026	15:14:16	वृश्चि	बुध	मिथु	01:44:45	बुध 17/12/2017
गुरु 01/09/2027	20:25:36	मक	गुरु	मेष	28:34:31	केतु 26/01/2019
शनि 10/10/2028	14:34:16	धनु	शुक्र	वृष	08:30:36	शुक्र 28/03/2022
बुध 07/10/2029	20:37:50	मीन व	शनि	मेष	28:42:28	सूर्य 10/03/2023
केतु 05/03/2030	23:52:26	सिंह व	राहु व	कर्क	01:58:56	चन्द्र 08/10/2024
शुक्र 05/05/2031	23:52:26	कुंभ व	केतु व	मक	01:58:56	मंगल 17/11/2025
सूर्य 10/09/2031	11:18:15	मक	हर्ष व	मक	26:57:52	राहु 23/09/2028
चन्द्र 10/04/2032	03:42:37	मक	नेप व	मक	12:37:10	गुरु 06/04/2031
	11:06:26	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	17:49:34	

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

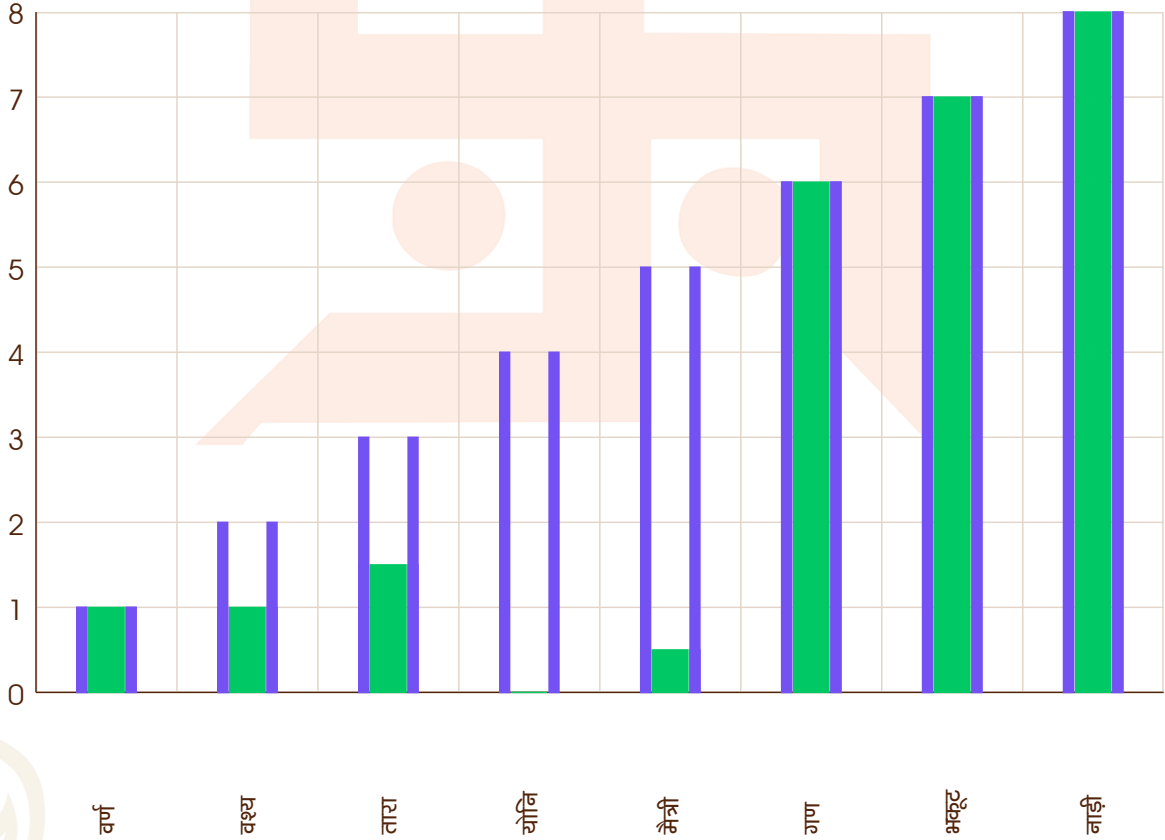
23:49:32 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:29



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सिंह	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>25.00</b>		

कुल : 25 / 36



## अष्टकूट मिलान

रौनईउ वीड का वर्ग मृग है तथाँसवदप ँचववत का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसाररौनईउ वीड औरँसवदप ँचववत का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

रौनईउ वीड मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

ँसवदप ँचववत मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहुँसवदप ँचववत कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

रौनईउ वीड तथाँसवदप ँचववत में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

गौनईउत वीद का वर्ण क्षत्रिय तथाँसवदप ंचववत का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाव सेँसवदप ंचववत वैश्विक मां की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा सभी की देखभाल तथा सेवा बिना थके, बिना शिकायत किये करती रहेगी। साथ ही परिवार के किसी भी सदस्य अथवाँनईउत वीद से कभी तर्क-वितर्क नहीं करेगी। अपने इसी आतिथ्य भाव के कारण सभी की प्रशंसा का पात्र बनेगी।

### वश्य

गौनईउत वीद का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवंँसवदप ंचववत का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार गौनईउत वीद एवंँसवदप ंचववत एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभीँसवदप ंचववत क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

### तारा

गौनईउत वीद की तारा प्रत्यरि तथाँसवदप ंचववत की तारा साधक है गौनईउत वीद की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत गौनईउत वीद कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूपँसवदप ंचववत को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

### योनि

गौनईउत वीद की योनि गज है तथाँसवदप ंचववत की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहेगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना

चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में नैनीउ वीड का राशि स्वामी सवदप ंचववत के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि सवदप ंचववत का राशि स्वामी नैनीउ वीड के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

### गण

नैनीउ वीड का गण मनुष्य तथा सवदप ंचववत का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

### भकूट

नैनीउ वीड से सवदप ंचववत की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा सवदप ंचववत से नैनीउ वीड की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण नैनीउ वीड परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर सवदप ंचववत हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

### नाड़ी

नैनीउ वीड की नाड़ी मध्य है तथा सवदप ंचववत की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

नैऋत की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त मेष राशि है जबकि सवदप ंचवत की वायु तत्व युक्त कुम्भ राशि है। अग्नि एवं वायुतत्व में मित्रता के कारण इनके परस्पर संबंधों में मित्रता का आभास रहेगा। साथ ही सवदप ंचवत नैऋत की शारीरिक आकर्षण की अपेक्षा बुद्धिमत्ता के भाव पर विशेष केंद्रित रहेंगी तथापि यदि नैऋत की सवदप ंचवत को यथोचित सहयोग प्रदान करें तो जीवन में मधुरता के भावों में वृद्धि हो सकती है।

नैऋत की राशि स्वामी मंगल सवदप ंचवत की राशि स्वामी शनि का शत्रु तथा सवदप ंचवत की राशि स्वामी शनि मंगल का सम है। अतः परस्पर सुख शांति एवं सदभाव के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं है। ऐसे योग में समस्याओं दोनों तरफ से उत्पन्न होगी। इससे परस्पर ईर्ष्या का भाव विद्यमान रहेगा जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता की न्यूनता रहेगी। यदि परस्पर ईर्ष्या के भाव का त्याग किया जाय तो संबंधों में स्नेह के भाव की वृद्धि हो सकती है।

नैऋत और सवदप ंचवत की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती हैं। यह शास्त्रानुसार शुभ भकूट है। अतः इसके प्रभाव से आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी एवं परस्पर संबंधों में ईमानदारी स्नेह एवं आत्मसमर्पण का भाव सदैव विद्यमान रहेगा। साथ ही परस्पर मतभेदों को आप आपस में स्पष्ट चर्चा के द्वारा सुलझाने के लिए प्रयत्नशील रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की सुख शान्ति में वृद्धि होगी।

नैऋत की वश्य चतुष्पद तथा सवदप ंचवत का वश्य मानव है। इनमें नैसर्गिक शत्रुता का भाव होने के कारण इनकी अभिरुचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर एक दूसरे को सन्तुष्ट करने में यत्न से ही सफलता मिलेगी।

नैऋत का वर्ण क्षत्रिय तथा सवदप ंचवत का वर्ण शूद्र है। अतः नैऋत की कार्य क्षेत्र में प्रभावी पराक्रमी तथा परिश्रमी होंगे तथा सवदप ंचवत में कर्तव्य परायणता का भाव विद्यमान रहेगा चाहे वह किसी भी प्रकार का कार्य हो।

## धन

नैऋत और सवदप ंचवत की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। नैऋत की सवदप ंचवत की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से नैऋत की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथा मंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

नैऋत को लाटरी या सट्टे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती

है या किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार रौनईउ वीड और रौसवदप िचववत धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

### स्वास्थ्य

रौनईउ वीड की नाड़ी मध्य तथा रौसवदप िचववत की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा गंभीर समस्याओं से ये सुरक्षित रहेंगे परन्तु रौसवदप िचववत के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव विद्यमान होगा। इसके प्रभाव से वे रक्त या पित संबंधी रोगों से समय समय पर कष्ट की प्राप्ति करेंगी। साथ ही गुप्त या धातु संबंधी रोगों से भी उनको जीवन में यदा कदा परेशानी की अनुभूति हो सकती है। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। इससे उपरोक्त समस्याओं में न्यूनता आएगी।

### संतान

संतति के दृष्टिकोण से रौनईउ वीड और रौसवदप िचववत का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म के मध्य भी पर्याप्त अंतर रहेगा फलतः उनका उचित पालन पोषण का अवसर प्राप्त होगा परन्तु इनकी कन्या संतति पुत्र संतति से अधिक संख्या में उत्पन्न होगी।

रौसवदप िचववत का प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा उसमें किसी प्रकार की अतिरिक्त परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा तथापि सावधानी व श रौसवदप िचववत नियमित रूप से डाक्टरी परीक्षण इत्यादि समय समय पर करवाती रहें। इससे गर्भावस्था का समय सामान्य रहेगा तथा प्रसव काल में बिना किसी समस्या के सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ तथा शांति की अनुभूति करेंगी।

रौनईउ वीड और रौसवदप िचववत बच्चों की व्यवहार कुशलता तथा बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे भी अपनी योग्यता से अपने क्षेत्र में निरंतर उन्नति मार्ग पर अग्रसर होंगे। उनके सदगुणों से अन्य सामाजिक जन भी प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे रौनईउ वीड और रौसवदप िचववत अपने बच्चों की श्रद्धा तथा आज्ञाकारी भाव से गौरवान्वित होंगे। साथ ही बच्चे भी माता पिता की आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे। इससे रौनईउ वीड और रौसवदप िचववत का पारिवारिक जीवन सुख शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

### ससुराल-सुश्री

रौसवदप िचववत के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत रौसवदप

िचवत के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

सवदप िचवत अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार सवदप िचवत के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

### ससुराल-श्री

ीनईउ वीड के अपनी सास से संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण इनमें विचार वैभिन्यता रहेगी लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा संबधों में वृद्धि के भी अवसर बनेंगे।

साथ ही ससुर से भी परस्पर संबधों में विवाद तथा तनाव युक्त वातावरण रहेगा जिससे न हीीनईउ वीड उनको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे तथा वे भी इन्हें विशेष अपनत्व तथा स्नेह का भाव अल्प ही प्रदान करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों से संबध अच्छे रहेंगे तथा परस्पर स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति का भाव रहेगा। इनके संबधों में मित्रता का भाव भी रहेगा जिससे परस्पर मुक्त भाव से वार्तालाप होता रहेगा। इस प्रकार ससुराल वालों का दृष्टिकोण िनईउ वीड के प्रति अनुकूल रहेगा तथा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में नित्य प्रयत्नशील रहेंगे।